

29.6.18

पन्नावली बाण कर्मण कोट बुढ़ाबावनी में पेछा हुइ।  
पन्नावली का अलोकन किया गया। बाण काठिका की बाणी  
के अति स्व. न. पुपा रकन 4-41 है। अति निमित्त है को  
प्राणीगत व अप्राणीगत की संयुक्त स्वातन्त्र्य की प्राप्ति है।  
प्राणीगत द्वारा उक्त वर्गित अति में अप्राणी द्वारा उडावनी।  
अति धर निमित्त करन बांकिर किया है। निमित्त गुमार  
सक सिक्किंड स्वातन्त्र्य अपनी स्वातन्त्र्य अति में से उडावनी।  
नक अति गैर लाई कार्य में उपयोग कर सकला है। महक  
निमित्त के कारण अति वेस्ट स्व. डेमेण नही होली है।  
प्राणीगत द्वारा प्रस्तुत अपम की पुठि में सेना कोई फलवेण  
प्रस्तुत नही किया है जिसके कारण रितीवर निमित्त।  
किया जाना आवश्यक है। प्राणीगत का अपम बाबावली  
होने के कारण इसी स्तर पर स्वातन्त्र्य किया जाला है।  
पन्नावली कर्मण अति कर नवर के काम हो गया हाविल।  
हपल रहे।

उपखण्ड अधिकारी